पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

'बाथरूम वीडियो' लीक होने पर परेशान हो गईं थी उर्वशी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 125 ■ मंगलवार, 30 जुलाई 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

ANDROID APP ON Google play /ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ नपा अधिकारी को 25 हजार का जुर्माना

■ सूचना का अधिकार के तहत जानकारी न देने पर आयुक्त ने की कार्रवाई

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद के जनसूचना अधिकारी पंकज पन्हाले ने भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता अजित खरात को कुछ जरूरी जानकारी नहीं दी. इसलिए राज्य सूचना आयोग के आयुक्तत शेखर चन्ने ने पंकज पन्हाले को 25 हजार रुपए जुर्माना अदा करने का आदेश दिया है. जुर्माने की रकम उनके वेतन से वसूल करने के आदेश भी राज्य आयोग ने दिए हैं.

भाजपा के अजित खरात को नपा के जन सूचना अधिकारी पंकज पन्हाले ने जनसूचना अधिकारी के तहत जानकारी नहीं देने की शिकायत कोंकण भवन में राज्य माहित आयोग के पास की थी. शिकायत के जांच करके आयुक्त शेखर चन्ने ने पंकज पन्हाले को 25 हजार रुपए का जुर्माना किया है. अंबरनाथ नपा अधिकारियों में इस बात की चर्चा है और यहां खलबली मच गई है.

अजित खरात ने अंबरनाथ नगर परिषद के हद में एक विकास कार्य अंतर्गत की लिखित में जानकारी मांगी थी. पंकज पन्हाले ने ये जानकारी समय पर नहीं दी. इसलिए पन्हाले को 25 हजार का जुर्माना ठोंककर उनके वेतन से ये रकम काटने के लिए कहा है.

सरकारी कार्यालयों में ऐसे कई ढीठ अधिकारी हैं, जो लोगों को नेताओं को जरूरी जानकारी नहीं देते हैं. पन्हाले को जुर्माना ठोंककर आयुक्त ने दूसरे अधिकारियों को इस सजा से सबक लेने की नसीहत दी है.

उल्हासनगर मनपा का भ्रष्ट कारोबार

बिना ई-टेंडर के 20 लाख का टेंडर पास!

प्रशासन पूर्व नगरसेवकों को कर रही मालामाल

PWD का एक और घोटाला

■ ठेकेदार हुए फिक्स पूर्व नगरसेवकों का कट भी हुआ तय

■ कानून की धज्जियां उड़ाकर हो रहे टेंडर पास

■ शहर अभियंता की देखरेख में हो रहा घोटाला!

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका का सबसे भ्रष्ट विभाग PWD में एक और घोटाला सामने आया है। दलित बस्ती का घोटाला अभी उजागर होने ही वाला है कि अब मनपा के PWD ने एक और ऐसा कारनामा किया है जिसमें प्रशासन, ठेकेदार व पूर्व नगरसेवक पूरी तरह मालामाल हो जाएंगे। नियम के अनुसार 10 लाख से अधिक की रकम हेतु ई-टेंडर की जाती है और समाचार पत्रों में निविदा भी घोषित होती है लेकिन प्रशासन के अजब भ्रष्ट कारोबार ने प्रत्येक नगरसेवकों को 20-20 लाख रुपए देकर मैन्यूल बिना टेंडरिंग के पास किए हैं। ऐसी जानकारी मनपा सूत्रों ने दी है।

PWD विभाग मनपा को वो भ्रष्ट विभाग है जहां विकास केवल कागजों में होता है। इस कारोबार में निजी कर्मचारियों की उपस्थिति, नकली बिल, जीएसटी चोरी, विधायक, नेता नगरसेवकों के साथ अधिकारियों व कर्मचारियों की फिक्स कमीशन से विकास कार्य होता है। शहर के रास्ते उसके गवाह है। मनपा सूत्रों ने यह भी खबर दी है कि यह कारोबार शहर अभियंता की देखरेख में हो रहा है। ज्ञात हो कि पूर्व अभियंता पहले से ही एंटी करप्शन की रडार पर है बावजूद यहां पर भ्रष्ट कारोबार थमने का नाम ही नहीं ले रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर मनपा के बजट में करोड़ों का जो विकास फंड होता है उसे ई-टेंडर के जरिए समाचार पत्रों में नोटीस देकर दिया जाता है। ठेकेदारों की सोसायटी वहां पर भी सांठगांठ करके टेंडर ले लेती है लेकिन अब इस सांठगांठ को भी तोड़कर मनपा प्रशासन 10 लाख के ऊपर की रक्कम जो बिना ई-टेंडर के नियमानुसार पास नहीं की जा सकती उसे भ्रष्टाचार कर कानून को ताक में रखकर 20 लाख के टेंडर पास किए जा रहे हैं। पूर्व नगरसेवक इन दिनों PWD में डेरा डाले हुए हैं क्योंकि उनको 20 लाख के फंड का हिस्सा भी तो मिलेगा। इन फंड के लिए ठेकेदारों को भी काम के लिए फिक्स कर दिया गया है और नेताओं का कट भी तय हो गया है। इस भ्रष्टाचार की पोल खुल चुकी है साथ ही इस मामले में ज्यादा जानकारी जल्द ही मिलेगी और जल्द ही प्रशासन, ठेकेदार और नेताओं की भूमिका की और भी पोल खोली जाएगी।

स्कूटर के इंजन में घुसा सांप

डोंबिवली. मानसून के दौरान गड्ढों में पानी जमा होने के कारण कई सांप भटककर इंसानी बस्तियों में पहुंच जाते हैं। वे सूखी और सुरक्षित जगह की तलाश में आते हैं. ऐसा ही एक सांप स्कूटर के इंजन में बैठ गया. सांप की हरकत देखने के बाद ड्राइवर ने पॉज संस्था को फोन किया. पॉज संस्था के स्वयंसेवक ऋृषिकेश सुरसे मौके पर पहुंचे और स्कूटर से सांप को सुरक्षित निकाला और उसकी जान बचाई। इसके बाद सांप को सुरक्षित वापस जंगल में छोड़ दिया गया। पॉज संगठन हर साल सैकड़ों वन्यजीवों को बचाता है और पिछले 24 वर्षों में संगठन ने हजारों वन्यजीवों का पुनर्वास किया है। अपील की गई कि आप संस्था की हेल्पलाइन 9820161114 पर कॉल कर मदद ले सकते हैं।

गुंडों ने की रिक्शा में तोड़फोड़

■ शिवाजी नगर में मामला दर्ज

■ घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

■ अज्ञात गुंडों की तलाश

उल्हासनगर. गायकवाड़ पाड़ा में रात के करीब 2 बजे अज्ञात गुंडों ने एक रिक्शा में तोड़फोड़ की और उसे पलट दिया. शिवाजी नगर पुलिस में मामला दर्ज किया गया है.

उल्हासनगर-5 गायकवाड़ पाडा इलाके में रहने वाले विनोद मगरे और उनके भाई दोनों रिक्शा चालक हैं. पूरे दिन रिक्शा चलाने के बाद उन्होंने शनिवार रात को हमेशा की तरह गायकवाड़ पाड़ा विट्ठल मंदिर के पास रिक्शा पार्क किया। लेकिन, रात करीब दो बजे दो अज्ञात युवकों ने दोनों रिक्शों में तोड़फोड़ की और रिक्शा को पलटा दिया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. इस मामले में अंबरनाथ के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है.

हत्या के मामले में उबाठा पदाधिकारी सहित 4 गिरफ्तार

ठाणे. मुंब्रा पुलिस ने दिवा में हुई एक हत्या के मामले का पर्दाफास करते हुए शिवसेना (उबाठा) पदाधिकारी सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक मामूली कहासुनी को लेकर पश्चिम बंगाल के एक मजदूर की पीट -पीट कर हत्या कर दी गयी. बुधवार को सुबह दिवा के टाटा पावर लाइन रोड, स्थित बौद्ध मंदिर के पास झाडी में एक व्यक्ति मृत अवस्था में मिला. उसकी पहचान शोविक गौर श्रीमनी के रूप में हुई. पुलिस जांच में पता चला कि आकाश भोईर, जितेश भोईर शिवसेना (उबाठा) का शाखा प्रमुख जितेश भोईर एवं उनके अन्य साथियों से किसी बात को लेकर झड़प हुई थी. पुलिस ने सुलतान मेहमुद शेख एवं रितेश राजेंद्र प्रसाद राजभर को हिरासत में ले कर पूछ ताछ की बाद में आकाश भोईर, जितेश भोईर को भी गिरफ्तार कर लिया गया.

कल्याण पूर्व विधानसभा पर बीजेपी का दावा कायम

■ जिला अधिवेशन में मंत्री रविंद्र चव्हाण ने किया स्पष्ट

■ कार्यकर्ताओं की विधायक गणपत गायकवाड़ के समर्थन में नारेबाज़ी

कल्याण. रविवार को कल्याण पूर्व के चंद्रभागा हॉल में आयोजित बीजेपी के जिला अधिवेशन में लोक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण ने यह स्पष्ट करते हुए कहा कि गणपत गायकवाड़ कल्याण पूर्व के विधायक है इसलिए आने वाले विधानसभा चुनाव में कल्याण पूर्व सीट से बीजेपी ही लड़ेगी। बतादें कि बीजेपी जिला कमेटी द्वारा कल्याण पूर्व में कार्यकारिणी विस्तार कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राज्य के लोक निर्माण मंत्री रविंद्र चव्हाण के अलावा विधायक निरंजन डावखरे, पूर्व विधायक नरेंद्र पवार, विधायक गणपत गायकवाड़ की पत्नी सुलभा गायकवाड, जिलाध्यक्ष नरेंद्र सूर्यवंशी, संजय मोरे, महिला जिलाध्यक्ष रेखा राजन चौधरी, सुभाष म्हस्के आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव से पहले ही कल्याण पूर्व में राजनीति गरमाने लगी है। जहां शिवसेना (शिंदे) में इच्छुक प्रत्याशियों की झड़ी लगी है, वहीं बीजेपी भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। ऐसे में यह कयास लगाया जा रहा है कि भविष्य में सीट शेयरिंग को लेकर बीजेपी और शिवसेना (शिंदे) के बीच जमकर राजनीति हो सकती है। इन सब चर्चाओं के बीच रविवार को आयोजित भाजपा के जिला अधिवेशन में मंत्री रविंद्र चव्हाण ने यह साफ कर दिया है कि वे कल्याण पूर्व की सीट बीजेपी के हाथ से नहीं जाने देंगे। जबकि कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जेल में बंद विधायक गणपत गायकवाड और सुलभा गणपत गायकवाड के समर्थन में नारेबाजी कर यह दर्शाने का प्रयास किया कि बीजेपी के कार्यकर्ता विधायक गणपत गायकवाड के साथ खड़े हैं।

'विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहें'

उल्हासनगर. कांग्रेस नेता मनोज शिंदे ने उल्हासनगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आगामी अंबरनाथ विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने और पार्टी ढांचे को मजबूत करने की अपील की है।

उल्हासनगर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के माध्यम से आगामी विधानसभा चुनाव और पार्टी निर्माण के संबंध में कांग्रेस कार्यालय नेहरू भवन, उल्हासनगर-2 में जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बैठक उल्हासनगर कांग्रेस के सह-प्रभारी मनोज शिंदे की उपस्थिति में और जिला कांग्रेस अध्यक्ष रोहित सालवे की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

शिंदे ने कहा कि आगामी विधानसभा में कोंकण में कांग्रेस पार्टी को बड़ी संख्या में उम्मीदवार मिले इसके लिए वह जल्द ही महाराष्ट्र प्रभारी को प्रस्ताव देंगे. साथ ही देव अठावले और उनके साथी बीजेपी के एबीवीपी संगठन से कांग्रेस में छात्र संगठन एनएसयूआई में काम करने के लिए मनोज शिंदे की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए. इस मौके पर किशोर धड़के, सुनील बहरानी, नानिक आहूजा, मनीषा महाकाले, फरियाद शेख, रोहित ओवल, नारायण गेमनानी, आसाराम टाक, राजेश मल्होत्रा, दीपक सोनोने, विशाल सोनवणे, वामदेव भोयर अमर जोशी, अबा साठे, शैलेन्द्र रूपेकर, राकेश मिश्रा, संतोष मिंडे, नीलेश जाधव, अंसार शेख, उषा गिरी, विद्या शर्मा आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

> उल्हासनगर विधान सभा में रुचि रखने वाले कार्यकर्ता अपना उम्मीदवारी फॉर्म भरें. पदाधिकारी मिलकर काम करें. मैं हमेशा आपके साथ हूं।
> – **रोहित साल्वे,** जिलाध्यक्ष

लोक अदालत में एक करोड़ टैक्स वसूली

भिवंडी. भिवंडी मनपा द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत मौके पर भिवंडी कोर्ट जिला विधी सेवा प्राधिकरण, ठाणे के सहयोग से प्रलंबित मामलों का निपटारा किया गया. भिवंडी मनपा प्रभाग समिति क्रमांक 1 से 5 अंतर्गत कुल 1,689 टैक्स बकाया मामलों की सुनवाई हुई. मनपा प्रशासक अजय वैद्य द्वारा 1 दिवसीय अभय योजना में बकायेदारों को टैक्स बकाया पर शत प्रतिशत माफी प्रदान करते हुए मनपा टैक्स विभाग की टीम द्वारा 1,40,5,249 रुपए की वसूली कर मनपा तिजोरी में जमा किया गया.

गंगोत्री द्वारा उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में

रक्तदान शिविर व वृक्षारोपण अभियान

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर को 25 करोड़ का फंड देने वाले उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार का जन्मदिन उल्हासनगर राकांपा द्वारा जनसेवा के माध्यम से मनाया गया। जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री द्वारा राकांपा मध्यवर्ती कार्यालय में 27 जुलाई की सुबह 10 से 3 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें सैकड़ों लोगों ने इस महादान में अपना योगदान दिया। उपमुख्यमंत्री पवार के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर के साथ-साथ वृक्षारोपण अभियान भी राकांपा द्वारा किया गया। वृक्षारोपण कर्म महान, एक वृक्ष दस पुत्र समान के नारे के साथ दादा का 65वां जन्मदिन उल्हासनगर के हनुमान नगर में 65 पौधे लगाकर मनाया गया। प्रदेश महासचिव सोनिया धामी, प्रदेश सचिव प्रवीण खरात, प्रदेश महिला सचिव, रेखा अमर हिरा, विकास खरात, युवा अध्यक्ष रोहित गमलाडू, बलबीर सिंग टाक, शंकर धावाणी, शारदा अंबोरे, सुनील सुखेजा, सुनील टेकचंदानी, प्रिया गायकवाड़, हरशरन कौर,,सचिन होटवानी, किरण होटवानी सागर गमलाडू, बबला सेठ, कैलाश भंडारे, बिंदास म्हात्रे आदि पदाधिकारी, कार्यकर्ता, नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। गंगोत्री ने बताया कि दादा के जन्मदिन पर जनविश्वास सप्ताह मनाया गया, जिसमें विभिन्न प्रकार के जनहितकारी आयोजन किए गए थे।

कोंडेश्वर में महाप्रसाद एवं मानस पाठ

■ 4-5 अगस्त को होगा कार्यक्रम

अंबरनाथ. अंबरनाथ श्रीराम भक्त हनुमान सेवा मंडल द्वारा श्री क्षेत्र कोंडेश्वर महादेव मंदिर बदलापुर में दो दिवसीय अखंड श्रीराम चरित मानस पाठ एवं महाप्रसाद भंडारे का आयोजन किया गया है. रविवार 4 अगस्त से सोमवार 5 अगस्त तक कार्यक्रम होगा. ऐसी जानकारी हमें मंडल अध्यक्ष चिंतामणि त्रिपाठी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष कमलाकांत राय ने दी है. उन्होंने बताया कि जरूरतमंद माता-बहनों को साड़ी व विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित की जाएगी. त्रिपाठी ने बताया कि अंबरनाथ के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, मिलिंद पाटिल व अन्य नेता ने इस कार्यक्रम के लिए सहयोग किया है और वह कार्यक्रम में भी भाग लेने वाले हैं. उन्होंने निवेदन किया है कि उपस्थित होकर पाठ में एवं महाप्रसाद भंडारे का लाभ उठाएं. मंडल के संस्थापक योगी राज हैं व अन्य पदाधिकारी राजेश दुबे, लालजी दुबे, गुलाब पाठक आदि हैं. 4 और 5 अगस्त को 12 बजे से हवन कार्यक्रम एवं भंडारा कार्यक्रम होगा.

अंबरनाथ नगर परिषद के मुख्याधिकारी को हटाओ

■ शहर में कचरा, घंटागाड़ी व अन्य समस्याओं के जिम्मेदार मुख्याधिकारी

अंबरनाथ. अंबरनाथ के मुख्याधिकारी प्रशांत रसाल को चार वर्ष हो गए हैं. अंबरनाथ में उनके कारण शहर में कचरा, घंटागाड़ा, ड्रेनेज जाम, सड़कों के गड्ढों जैसे गंभीर मसले हल हीं हो रहे हैं. उनको अंबरनाथ से पहले हटाओ, ऐसी मांग मनसे के शैलेष शिर्के ने विधायक बालाजी किणीकर द्वारा आयोजन शहर की समस्याओं पर चर्चा के लिए नपा कार्यालय में बुलाई गई बैठक में किया. इस बैठक में शिवसेना के पूर्व नगरसेवकों के अलावा महिला, पुरुष कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे. सभी ने एक ही आवाज में कहा कि शहर के सभी परिसर में कई - कई दिनों तक घंटागाड़ी नहीं आ रही है. शहर में कचरा ही कचरा फैला हुआ है. विधायक किणीकर ने भी इस समस्या को लेकर मुख्याधिकारी एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्नेहा वंजारी को आड़े हाथों लिया. किणीकर ने गुस्से में कहा कि मुझे लोगों के सामने जाने के लिए शरम आती है. मुख्यादिकारी ने शांत रहते हुए उत्तर दिया कि इस मसले का हल जल्द ही निकाला जाएगा. सड़कों पर के गड्ढों पर भी बड़ा हंगामा हुआ. उपस्थितों ने एवं विधायक ने पूछा कि गड्ढों को क्यों नहीं भरा जा रहा है. सुभाष सालुंखे ने मुख्याधिकारी के चार वर्षों से कुर्सी पर चिपके रहने के लिए उनका अभिनंदन किया. बैठक में अतिक्रमण का मुद्दा भी उठाया गया. नगर परिषद के अति. मुख्याधिकारी पराडकर, अतिक्रमण विभाग के संदीप कांबले, नरेंद्र संखे, हवल, सभी विभाग के अधिकारी बैठक में उपस्थित थे. विधायक के साथ सुनिल चौधरी, अब्दुल शेख, विकास हेमराज, मुक्कू लेनिन, खानजी धल आदि उपस्थित थे.

अवैध चालियों का निर्माण करने वाले भू-माफिया पर गिरी गाज

■ टिटवाला पुलिस में एमआरटीपी के तहत मामला दर्ज

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका सीमा में टिटवाला प्रभाग अ अवैध चालियों के कुप्रसिद्ध है. टिटवाला क्षेत्र के उंभार्णी इलाके के बनेली में भू-माफियाओं ने 30 कमरों की चाली बनाकर आम लोगों को बेचकर घर खरीदने वालों के साथ धोखाधड़ी की है. इस संबंध में महानगर पालिका को शिकायत मिलते ही इस भू-माफिया के खिलाफ टिटवाला पुलिस स्टेशन में 'एमआरटीपी' का मामला दर्ज कराया है.

भू-माफिया का नाम अब्दुल अतीक फारूकी (निवासी. बनेली, टिटवाला) है. के. एफ. इंटरप्राइजेस के के नाम पर उंभार्णी क्षेत्र में अवैध चालियां बनाई जाती हैं। 30 कमरों की इन अवैध चालियों का विज्ञापन सोशल मीडिया पर किया गया और आम लोगों को धोखा देकर इन चालियों में बने घरों को उचित दाम पर बेच दिया गया. इस अवैध चाली को खड़ा करते समय अब्दुल फारूकी ने महानगर पालिका से कोई अनुमति नहीं ली।

अब्दुल फारूकी की अवैध चालियों में कमरों की बिक्री का विज्ञापन मनपा आयुक्त के पास पहुंचा, तो प्रभाग अ के सहायक आयुक्त संदीप रोकड़े को मामले की जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिए गए. सहायक आयुक्त, अधीक्षक नंदकिशोर वाणी, राजू शिलवंत, रवींद्र गायकवाड़ ने उंभर्णी क्षेत्र का दौरा कर भूमाफिया अब्दुल द्वारा बनाई गई अवैध चालियों का निरीक्षण किया. जिसके बाद महानगर पालिका से अनुमति प्राप्त किए बिना इन अवैध चालियों का निर्माण करने के आरोप में अधीक्षक वाणी ने टिटवाला पुलिस स्टेशन में अब्दुल फारूकी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने एमआरटीपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

■ 5000 से अधिक अवैध चालियाँ

■ ऐसी शिकायतें हैं कि महानगर पालिका अधिकारियों के आशीर्वाद से टिटवाला क्षेत्र के उम्भार्नी, बनेली क्षेत्र में महानगर पालिका की आरक्षित, सरकारी, वन भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा 5000 से अधिक अवैध चालियाँ खड़ी कर दी गई हैं। सामाजिक कार्यकर्ता विजय देशेकर ने कहा कि मनपा अधिकारी उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं. इस क्षेत्र में मानसून के मौसम का प्राकृतिक जल प्रवाह अवरुद्ध हो गया है। अतः यदि टिटवाला क्षेत्र में भारी वर्षा होती है तो बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

■ टिटवाला क्षेत्र के मोर्यानगर, गणेशवाड़ी, माता मंदिर, डोंगरवाली मय्या, उम्भार्नी, बनेली क्षेत्र में अनगिनत अवैध चालीसों का निर्माण चल रहा है। मनपा के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी ने सरनोबत नगर के सामने बल्याणी रोड पर माता मंदिर के पास अवैध गाला का निर्माण कर लिया है। ए वार्ड में इस संबंध में शिकायत आई है। ए वार्ड में वर्षों से काम कर रहे मजदूरों और ड्राइवरों के आशीर्वाद से ये अवैध निर्माण किये जा रहे हैं. ऐसी शिकायत स्थानीय लोगों ने की है.

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास

संपादकीय

लापरवाही का कचरा

दिल्ली में प्रदूषण की गहराती समस्या को लेकर आए दिन चिंता जताई जाती है, लेकिन इसे दूर करना प्राथमिकता में शामिल नहीं है। ठोस अपशिष्ट के निपटान को लेकर टालमटोल का रवैया यही दिखाता है कि संबंधित सरकारी महकमों की ओर से प्रदूषण से निपटने के लिए सख्त कदम उठाने के दावों की हकीकत क्या है। दिल्ली की आबोहवा को नुकसान पहुंचाने में ठोस अपशिष्ट की भूमिका से सभी वाकिफ हैं।

इसका यहां के लोगों को बहुस्तरीय नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसी रवैये पर शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने काफी हैरानी जताई और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में घोर लापरवाही को लेकर दिल्ली नगर निगम को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने साफतौर पर कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के क्रियान्वयन की स्थिति बेहद दयनीय है; यहां प्रतिदिन तीन हजार टन से अधिक ठोस अपशिष्ट अनुपचारित रह जाता है, जो कभी भी जन स्वास्थ्य के लिए आपात स्थिति का कारण बन सकता है। सवाल है कि दिल्ली में ठोस अपशिष्ट के निपटान में लापरवाही को किस हद तक छूट दी जा सकती है।

गौरतलब है कि दिल्ली में हर रोज करीब ग्यारह हजार टन से ज्यादा ठोस अपशिष्ट पैदा होता है, जिसमें लगभग तीन हजार टन कचरे का निपटान नहीं हो पाता। अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक महीने में यह आंकड़ा क्या हो जाता होगा और उससे समस्या की गंभीरता किस स्तर पर पहुंच सकती है।

एक सवाल यह भी है कि अगर इतनी बड़ी मात्रा में कचरे का निपटान नहीं हो पाता, तो उसका क्या होता है और आसपास के इलाकों में उसका क्या असर पड़ता होगा। छिपा नहीं है कि दिल्ली में भलस्वा, गाजीपुर और ओखला कचरा पट्टियों पर जितने बड़े पैमाने पर ठोस अपशिष्ट जमा होता गया है, उससे आसपास के इलाकों में भयावह समस्याएं पैदा हो गई हैं। इन जगहों पर अक्सर आग लगने और कई-कई घंटों तक कचरा जलते रहने की खबरें आती रहती हैं, जिससे वहां के लोगों का रहना दूभर हो जाता है। इसलिए अगर सुप्रीम कोर्ट ने इसकी वजह से जन स्वास्थ्य के लिए आपात स्थिति पैदा होने की आशंका जाहिर की है, तो इसकी गंभीरता को समझने की जरूरत है।

शासकीय व्यवस्था के साथ सभ्य समाज भी जवाबदेह

सर्वोच्च न्यायालय ने कांवड़ मार्ग पर नामपट्टिका संबंधित आदेश पर रोक को आगामी पांच अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। इस मुद्दे के तीन पहलू सामने आए हैं। पहला-यह उपभोक्ताओं के जानने के अधिकार से जुड़ा है। दूसरा-कानून-व्यवस्था को बनाए रखना राज्य का दायित्व है और वह भंग न हो, उसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की है। तीसरा-यह कोई नई व्यवस्था नहीं है, अपितु पहले से स्थापित कानून-नियम के अनुरूप है। परंतु राजनीति से प्रेरित बहस ने इस विषय को 'हिंदू-मुसलमान' बना दिया। यह दिलचस्प है कि इस निर्णय का मुखर विरोध करने वाला राजनीतिक वर्ग वही है, जो लोकसभा चुनाव में बारंबार प्रचार कर रहा था कि सत्तासीन होने पर घर-घर जाकर लोगों से नाम के साथ उनकी जाति भी पूछेगा।

प्रश्न यह है कि देश के विभिन्न मतावलंबियों को अपनी आस्था के अनुरूप भोजन चुनने का अधिकार है या नहीं? यहूदी समाज में 'कोशर' की मान्यता है। इसमें खाद्य उत्पादों को लेकर मजहबी नियम है। इनके समुदाय में केवल खाना ही नहीं, अपितु भोजन का स्थान भी 'कोशर' होना चाहिए। इसी तरह, इस्लाम में 'हलाल' की अवधारणा है, जिसका अर्थ वैध है। मुसलमानों के लिए शूकर का मांस 'हराम' है। यही कारण है कि जब मुस्लिम समाज में ईद या फिर मुहर्रम का पर्व होता है, तो उनकी मजहबी आस्था का सम्मान करते हुए यातायात परिचालन तक में अस्थायी तौर पर उचित परिवर्तन किए जाते हैं। हिंदू समाज में कांवड़

यात्रा कई किलोमीटर चलने वाली, एक कठिन तीर्थयात्रा है। कुछ कांवड़िए 'डाक कांवड़' भी लाते हैं। इसमें गंगाजल से भरे कांवड़ को बिना जमीन पर रखे भगवान शिव की मूर्ति या शिवलिंग को अर्पित करने और 'सात्विक भोजन' ग्रहण करने की मान्यता है। करोड़ों हिंदू पवित्र दिनों में तामसिक खाद्य वस्तुओं, जैसे प्याज-लहसुन आदि के साथ साधारण नमक तक का सेवन भी नहीं करते हैं। इतना ही नहीं, नवरात्र के पवित्र दिनों में यदि कोई गैर-मजहबी कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, तब चाहे नवरात्र के व्रत रखने वाले सीमित हों, उनके खाने-पीने के लिए अलग से विशेष व्यवस्था की जाती है। जिस दिशानिर्देश पर विवाद हुआ, उसमें कहीं भी यह नहीं लिखा था कि कोई गैर-हिंदू कांवड़ यात्रा के मार्गों पर अपनी दुकान-ढाबा-ठेला आदि (मांस विक्रेताओं को छोड़कर) नहीं लगा सकता। इस आदेश के अनुसार, प्रत्येक दुकानदार-ढाबा संचालक, चाहे वह किसी भी मजहब का हो, उसे अपने वास्तविक नाम की पट्टी लगानी थी। इस शासनादेश की एक पृष्ठभूमि भी है।

कई गैर-हिंदू अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर देवी-देवताओं आदि के नामों पर खाद्य-पेय दुकानों, ढाबों का संचालन करते हैं। आखिर अपनी असली पहचान छिपाने और गलत पहचान बताने के पीछे क्या मंशा हो सकती है? यहां बात केवल उपभोक्ता को धोखा देने तक सीमित नहीं है। इस छल के खुलने पर तीर्थयात्रियों की आस्था पर कुठाराघात की बात उठने पर छोटी-सी घटना भी दंगे का रूप ले सकती है। इस आशंका को निरस्त करने तथा कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द को बनाए रखने हेतु दुकानों-ढाबों आदि पर नामपट्टिका लगाने का आदेश बताया गया था।

उपभोक्ताओं के अधिकार की रक्षा करने हेतु देश में पहले से विनियमन हैं। वर्ष 2005 से जारी 'जागो ग्राहक जागो' रूपी केंद्रीय उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम के साथ वर्ष 2006 में पारित 'खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम' और वर्ष 2011 में लागू 'खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण' से उपभोक्ताओं के जानने के अधिकार की रक्षा की जा रही है। इन कानूनों के अनुसार, खाद्य परिसरों में सभी प्रतिष्ठानों को लाइसेंस/पंजीकरण संख्या प्रदर्शित करना अनिवार्य है, जिसमें धारक के नाम का भी उल्लेख होता है। रेलवे स्टेशनों पर पंजीकृत विक्रेता और टैक्सी-ऑटो के मालिक-चालक अपना विवरण प्रदर्शित करते हैं। अधिकतर ऑनलाइन एप में भोजन-दवा-राशन आदि वस्तुओं का वितरण करने वालों का नाम उपभोक्ताओं को दिखता है। कांवड़ संबंधित मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने भी उपभोक्ताओं के अधिकारों से जुड़े कानूनों की देश भर में अनुपालना पर बल दिया है।

हमारे भीतर
एकत्व और एकता
का भाव जन्मजात है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सत्ता पक्ष के खिलाफ ममता का कदम

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कब, किस मामले में क्या कदम उठा लेंगी, कई बार समझना मुश्किल होता है। नीति आयोग की बैठक में शिरकत करने का उनका रवैया भी कुछ वैसा ही था। जब विपक्षी धड़े के मुख्यमंत्रियों ने उस बैठक के बहिष्कार का आह्वान किया, तब ममता बनर्जी ने संघीय तकाजे को ऊपर रखते हुए उसमें जाने की घोषणा कर दी। वे उस बैठक में गईं, मगर चलती बैठक से तमतमा कर बाहर निकल आईं। उनका कहना था कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री को बीस मिनट बोलने का समय दिया गया, अन्य मुख्यमंत्रियों को भी दस मिनट से अधिक बोलने दिया गया, मगर उन्हें पांच मिनट बाद ही बोलने से रोक दिया गया। उनका कहना है कि पश्चिम बंगाल के लिए वित्तीय आबंटन की मांग उठाने पर उनका माइक बंद कर दिया गया। इसे लेकर सत्तापक्ष उन पर हमलावर है।

वित्तमंत्री ने सफाई दी है कि हर किसी के लिए समय निर्धारित था और उसी के हिसाब से उन्हें बोलने का मौका दिया गया; ममता बनर्जी का यह आरोप सरासर गलत है कि उनका माइक बंद कर दिया गया। जाहिर है, ममता बनर्जी इसे राज्य का अपमान बताते हुए अपने पक्ष में जनमत जुटाने का प्रयास करेंगी, पर खुद विपक्षी धड़ा इसे कितनी

गंभीरता से लेगा, यह देखने की बात है।

ममता बनर्जी का केंद्र सरकार के साथ टकराव किसी से छिपा नहीं है और न यह पहला मौका था जब वे किसी बैठक या सभा के बीच से उठ कर बाहर निकल आईं। मगर कई लोगों का यह सवाल बना हुआ है कि आखिर नीति आयोग की बैठक में शामिल होने का फैसला उन्होंने किस मकसद से किया। क्या वे इस मौके का इस्तेमाल पश्चिम बंगाल के लिए वित्तीय आबंटन की मांग उठाने के लिए करना चाहती थीं, या सचमुच नीतियों के निर्माण में संघीय उत्तरदायित्व पूरा करने के नेक इरादे से गईं।

अगर सचमुच उन्हें संघीय मर्यादा की परवाह थी, तो इस तरह वे बीच बैठक से नाराज होकर निकली क्यों? फिर यह ढिंढोरा क्यों कि वे विपक्ष की तरफ से अकेले बैठक में शामिल हुईं। अगर उन्हें विपक्ष की परवाह होती, तो वे उसकी बहिष्कार की अपील को इस तरह ठुकरातीं नहीं। उनके बैठक में जाने के बाद से ही कयास लगाए जाने लगे थे कि विपक्ष में टूट शुरू हो चुकी है। पहले ही उनके अनिश्चित रुख की वजह से विपक्ष की लड़ाई कमजोर हुई है और गठबंधन को कई बार असहज स्थितियों का सामना करना पड़ा है।

जब विपक्षी गठबंधन बना था तब ममता बनर्जी ने बड़े जोशो-खरोश के साथ उसमें भागीदारी की थी, फिर वे कांग्रेस की आलोचना करने लगीं। आम चुनाव से पहले जब सीटों की साझेदारी को लेकर बातचीत चलनी शुरू हुई, तो उन्होंने अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। उनके ऐसे अनिश्चित व्यवहार से विपक्षी गठबंधन खुद आश्वस्त नहीं रहता कि वे उसमें शामिल रहेंगी भी या किसी मोड़ पर साथ छोड़ जाएंगी।

निश्चित रूप से उनके इस बदलते मिजाज का असर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के मनोबल पर भी पड़ता होगा। जब संसद में उनके सांसद बजट पर चर्चा करते हुए पश्चिम बंगाल की अनदेखी पर तीखा तेवर दिखा चुके थे, तो उन्हें नीति आयोग की बैठक में शामिल होने की सदाशयता दिखाने की जरूरत नहीं थी। कोई भी गठबंधन आपसी सहमति और विश्वास पर टिक पाता है। ममता बनर्जी के अस्थिर फैसलों से आखिरकार विपक्षी एकता पर असर पड़ता है।

देश का सबसे छोटा राज्य कौन-सा है?

जरा हट के

देश के सबसे छोटे राज्य की बात करें तो वह इतना ज्यादा छोटा है कि आप उस राज्य के एक छोर से दूसरे छोर तक महज ढाई घंटे में पहुंच जाएंगे. बाकी अन्य राज्यों की बात करें, जिसमें मध्य प्रदेश से लेकर उत्तर प्रदेश तक शामिल है, अगर आपको किसी एक छोर से इन राज्यों की राजधानी तक जाना पड़े तो कुल 6 से 8 घंटे लग जाते हैं. ऐसे में सवाल यही उठता है कि फिर वो कौन-सा राज्य है, जो इतना छोटा है. ऐसे में बता दें कि ये राज्य अपने खूबसूरत समुद्री बीचेस के लिए जाना जाता है. साथ ही यहां नाइट लाइफ भी बेहद मजेदार है. समुद्री बीच के अलावा कई ऐसी जगहें भी हैं, जहां पर टूरिस्ट घूम सकते हैं. इस राज्य का नाम गोवा है.

गोवा को देश का सबसे छोटा राज्य होने का दर्जा प्राप्त है. इस राज्य का कुल क्षेत्रफल 3702 स्क्वैयर किलोमीटर है. दूसरा सबसे छोटा राज्य सिक्किम है, जिसका क्षेत्रफल 7 हजार 96 स्क्वैयर किलोमीटर है. इन दोनों के अलावा त्रिपुरा, नागालैंड और मिजोरम भी छोटे राज्यों की लिस्ट में शामिल हैं. यानी कि देश के पांच सबसे छोटे राज्यों में गोवा, सिक्किम, त्रिपुरा, नागालैंड और मिजोरम शुमार हैं. बात गोवा की करें तो एक छोर पर पतरादेवी से दूसरे छोर पर पोलम बीच (Polem Beach) तक की दूरी 123 किलोमीटर के आसपास है, जिसे आप कार से 2 घंटे 40 मिनट में पूरी कर सकते हैं.

गोवा न सिर्फ क्षेत्रफल के हिसाब से छोटा राज्य है, बल्कि जनसंख्या के हिसाब से भी चौथा सबसे छोटा राज्य है. हालांकि, खूबसूरत बीच की वजह से दुनियाभर से टूरिस्ट यहां घूमने के लिए आते हैं. यहां पर आप भागा बीच से लेकर अंजुना और वागाटोर बीच पर जा सकते हैं. इसके अलावा भी कई खूबसूरत बीचेस यहां पर हैं, जहां समुद्री लहरों का आनंद ले सकते हैं. इसके अलावा आप बस्तरिया मार्केट से आर्ट से जुड़ी चीजें और फैशनेबल कपड़ों की खरीदारी कर सकते हैं. यहां पर बॉम चर्च भी है, जो सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक है. इसके अलावा दूधसागर फॉल को भी घूम सकते हैं, जिसे देखना एक अनोखा अनुभव है.

फेफड़ों के कैंसर की मुख्य वजह

चार लक्षणों से जान सकते हैं कहीं आपको कैंसर तो नहीं?

फेफड़ों का कैंसर वैश्विक स्तर पर मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में फेफड़ों के कैंसर से 1.80 मिलियन (18 लाख) से अधिक लोगों की मौत हो गई। भारतीय पुरुषों में लंग्स कैंसर, कैंसर से होने वाली मृत्यु का सबसे आम कारण है। यहां सभी प्रकार के कैंसर के लगभग 5.9% और कैंसर से संबंधित मौतों के लगभग 8.1% मामलों के लिए फेफड़ों के कैंसर को ही जिम्मेदार माना जाता रहा है। भारतीय महिलाओं में कैंसर से संबंधित मृत्यु के मामलों में लंग्स कैंसर का सातवां स्थान है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, फेफड़ों का कैंसर किसी को भी हो सकता है, हालांकि धूम्रपान करने वाले या इसके धुएं के संपर्क में रहने वालों में इसका खतरा अधिक देखा जाता रहा है। धुएं में कई हानिकारक रसायन या अन्य विषाक्त पदार्थ होते हैं जिनके संपर्क में आने से फेफड़ों की कोशिकाओं को क्षति होने का खतरा रहता है। जब फेफड़ों में कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से विभाजित होने लगती हैं, तो इससे ट्यूमर और कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

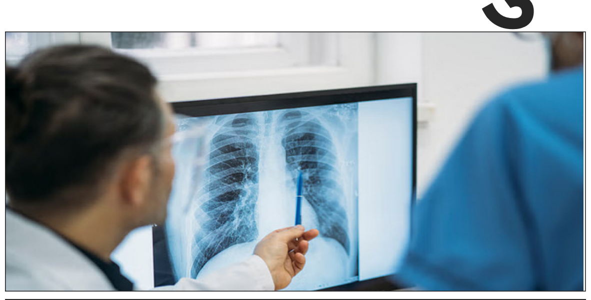

कैसे रहें इस समस्या से सुरक्षित?

- वैसे तो सभी प्रकार के फेफड़ों के कैंसर को रोकना संभव नहीं है, लेकिन जोखिमों को कम करने के लिए कुछ उपाय जरूर किए जा सकते हैं।
- धूम्रपान से दूरी बनाना इस कैंसर से बचाव के लिए सबसे आवश्यक है। आसपास कोई धूम्रपान कर रहा हो तो उसके धुएं के संपर्क से भी बचें।
- कार्यस्थल पर जहरीले रसायनों के संपर्क में आने से खुद को बचाने के लिए सावधानी बरतें।
- विभिन्न प्रकार के फलों और सब्जियों से युक्त स्वस्थ आहार चुनें। विटामिन और पोषक तत्वों से भरपूर चीजों का सेवन करें।
- फेफड़ों के कैंसर के जोखिम को कम करने के लिए शोधकर्ता बीटा कैरोटीन वाली चीजों को लाभकारी मानते हैं।
- वायु प्रदूषण भी इसका कारक है। प्रदूषण से बचाव के लिए अच्छी क्वालिटी का मास्क पहनें।

धूम्रपान के अलावा किन कारणों से हो सकता है कैंसर?

वैसे तो कई कारण हैं जो फेफड़ों के कैंसर के जोखिमों को बढ़ा सकते हैं, लेकिन बीड़ी-सिगरेट सहित किसी भी तरह के तम्बाकू उत्पादों का सेवन करना इसका सबसे बड़ा जोखिम कारक माना जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि फेफड़ों के कैंसर से होने वाली 80% मौतें धूम्रपान से संबंधित होती हैं। कई अन्य स्थितियां भी लंग्स कैंसर का खतरा बढ़ा सकती हैं।

- सेकेंडहैंड स्मोकिंग- आसपास के लोगों द्वारा छोड़े गए धूम्रपान के धुएं के संपर्क में रहना।
- वायु प्रदूषण, रेडॉन, कोयला उत्पादों के धुएं और अन्य हानिकारक पदार्थों के संपर्क में रहना।
- किसी बीमारी जैसे स्तन कैंसर या लिम्फोमा के इलाज के लिए रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल।
- फेफड़ों के कैंसर की फैमिली हिस्ट्री होना।

इन लक्षणों से कर सकते हैं पहचान

फेफड़ों में कैंसर के शुरुआती चरणों में आमतौर पर कोई भी लक्षण प्रकट नहीं होते हैं। ये तब नजर आना शुरू होता है जब बीमारी गंभीर हो जाती है। ये चार संकेत हैं जिनकी मदद से काफी हद तक इस गंभीर स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

- लंबे समय तक बनी रहने वाली खांसी जो ठीक न हो रही हो।
- सीने में दर्द और खून वाली खांसी होना।
- सांस फूलना और घरघराहट बने रहना।
- आवाज में बदलाव, आवाज का भारी या कर्कश होना।

राजगिरा खीर

खाना-खजाना

सामग्री :

राजगिरा खीर बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत पड़ेगी. जैसे, 1 कप राजगिरा, 1 लीटर दूध, एक चम्मच चीनी, एक छोटा चम्मच इलायची पाउडर, एक कप कटे हुए ड्राई फ्रूट्स और 1 बड़ा चम्मच घी. इन सभी सामग्री का इस्तेमाल कर आप आसानी से राजगिरा खीर बना सकते हैं.

विधि :

राजगिरा खीर बनाने के लिए आपको सबसे पहले राजगिरा को साफ पानी से धोकर 30 से 40 मिनट तक पानी में भिगोकर रखना है. अब आप एक कढ़ाई में थोड़ा घी गर्म करने के लिए रख दें. जैसे ही घी थोड़ा गर्म हो जाए, उसमें थोड़े से ड्राई फ्रूट्स डाल दें और उन्हें सुनहरा होने दे. जब ड्राई फ्रूट्स हल्के सुनहरे हो जाए, तब इसमें भीगे गए हुए राजगीर को डाल दें.

चीनी और इलायची पाउडर डालें

अब इसमें पानी और दूध डालकर अच्छी तरह उबाल लें. कम से कम 40 मिनट होने के बाद जब राजगीर जब नरम हो जाए तब इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं. इसके बाद आप 10 मिनट तक इस खीर को मध्यम आंच पर उबाल लें. थोड़ी देर बाद गैस को बंद कर दें और इस खीर को एक बाउल में निकाल लें.

ड्राई फ्रूट्स का इस्तेमाल

अब आप ऊपर से बारीक कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डाल दें और फिर इस खीर को खा सकते हैं. खीर को और ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के लिए आप इसमें केसर, गुलाब जल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. राजगिरा खीर व्रत के लिए एक स्वादिष्ट डिश है.

मुरमुरा फ्रेश रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

मुरमुरा को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। भेलपूरी से लेकर झालमूड़ी तक बनाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। वेट लॉस कर रहे लोग भी शाम के स्नैक्स में एक मुट्ठी मुरमुरा खा सकते हैं। ये अधिकतर लोगों के घर में होता है, हालांकि सही से स्टोर ना करने की वजह से इसका कुरकुरापन खत्म होता जाता है। ऐसे में कुछ सरल टिप्स को अपनाकर आप इसे लंबे समय तक फ्रेश बनाए रख सकते हैं।

सही पैकेजिंग चुनें

जब आप मुरमुरा खरीदते हैं तो यह अक्सर पेपर बैग या खुली पैकेजिंग में आता है। ऐसे में जैसे ही जब भी आप मुरमुरा लेकर आएं तो इसकी फ्रेशनेस को बनाए रखने के लिए मुरमुरे को एक एयरटाइट कंटेनर में डालें। अगर इसे किसी पैकेट में ही रखना चाहते हैं तो सील पैक करें। इसे लिए सील क्लिप का इस्तेमाल करें।

सही तरह से करें सील

अगर आप मुरमुरा सील पैक करने के लिए प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उन्हें सील करने से पहले जितना संभव हो उतना हवा निकाल दें। आप मुरमुरे से जितनी ज्यादा हवा निकाल सकते हैं निकाल दें। वर्ना मुरमुरे पर न मी आ सकती है, जो इसके कुरकुरेपन को छीन लेगी। इसके लिए इसे सील करते समय बैग को धीरे से दबाएं।

दूसरी चीजों के साथ रखने से बचें

मुरमुरे दूसरी खाने की गंध और स्वाद को आसानी से अवशोषित कर सकते हैं। खासकर अगर उनके साथ कोई ऑयली चीज रखी हो तो। इस गंध को रोकने के लिए मुरमुरे को मसालों, प्याज, लहसुन, या तेज खुशबू वाली किसी भी चीज से अलग रखें।

फ्रीजर में करें स्टोर

अगर आप लंबे समय तक मुरमुरा को स्टोर करना चाहते हैं तो इसे फ्रीजर में रखें। मुरमुरे को फ्रीजर में जलने और नमी से बचाने के लिए एक एयरटाइट कंटेनर या सीलबंद बैग में रखें। इस तरह से कई महीनों तक मुरमुरे को ताजा और कुरकुरा रखा जा सकता है।

एयरटाइट कंटेनर का इस्तेमाल करें

प्लास्टिक या कांच के एयरटाइट कंटेनर में मुरमुरा स्टोर कर सकते हैं। इस तरह के कंटेनर में मुरमुरा को रखकर हवा और नमी से रोका जा सकता है। मुरमुरे की कुरकुरी बनावट को बनाए रखने के लिए दोनों इन्हें सही से स्टोर करना जरूरी है।

केले खरीदने का सही तरीका

व्रत चाहे सावन का हो, जन्माष्टमी या फिर शिवरात्री, एक समस्या जो अकसर इस दौरान लोगों को देखने को मिलती है, वो है बढ़ते फलों के दाम। ये महंगे फल खाने पर पता चलते हैं कि फीके या फिर खराब हैं तो मूड और पैसे दोनों खराब हो जाते हैं। आजकल शिव भक्त सावन महीने के हर सोमवार को शिवलिंग पर चढ़ाने के लिए केले जरूर खरीदते हैं। अगर आप भी अच्छे केले की पहचान कैसे करें जानना चाहते हैं तो अपनाएं ये आसान टिप्स।

रंग पर दें ध्यान

केले का रंग जितना चटक पीला होगा वो खाने में उतना ही स्वादिष्ट होता है। बाजार से केला खरीदते समय हमेशा गहरे पीले रंग वाले केले खरीदें। जो केले दिखने में पीले और हरे दोनों रंग के हो, उसे खरीदने से बचें। ऐसे केले अंदर से अधपके और बेस्वाद होते हैं।

काले चक्कते

केले खरीदते समय उस पर नजर आने वाले काले चक्कतों पर भी ध्यान दें। केले पर हमेशा कम से कम काले चक्कते होने चाहिए। जिन केलों पर ज्यादा काले चक्कते होते हैं वह जल्दी गलकर खराब हो जाते हैं।

साइज़ का रखें ध्यान

बाजार में अलग-अलग साइज और किस्म के केले मिलते हैं। ऐसे में कुछ लोग छोटे केलों को देसी समझकर खरीद लेते हैं। लेकिन सच यह है कि इस तरह के केलों को बड़ा होने से पहले ही पेड़ से तोड़ लिया जाता है, जिसकी वजह से वो अंदर से कच्चे ही रह जाते हैं। हमेशा केले बड़े साइज के ही खरीदें। ऐसे केले अंदर से पके हुए होने के साथ स्वाद में भी अच्छे होते हैं।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ : नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। परिवार की चिंता बनी रहेगी। धार्मिक कार्य में मन लगेगा।

कर्क : धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी।

कन्या : ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट में निवेश लाभदायक रहेगा।

तुला : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृश्चिक : किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देंगे। कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर : घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। चोट व रोग से बचें। यश बढ़ेगा।

मीन : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

कलह से तंग आकर युवक ने बीवी की गर्दन काटने के बाद खुद के गले पर भी चलाया ब्लेड

मुरादाबाद. मुरादाबाद से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां पारिवारिक विवाद में एक शख्स ने ब्लेड से पत्नी की गर्दन काट दी फिर बाद में खुद के गले पर भी ब्लेड चला दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बीवी की हालत गंभीर होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये घटना सिविल लाइन के अगवानपुर चौकी क्षेत्र के मोहल्ला तारा वाला कुआं का है। जहां 50 साल का सलीम राजमिस्त्री का काम करते था। परिवार में उसकी 45 साल की पत्नी नरगिस और तीन बेटियां हैं। दो बेटियों की शादी जो चुकी है। बताया गया कि सलीम का उसकी पत्नी नरगिस से छोटी-छोटी बातों पर अक्सर झगड़ा होता था। आज सुबह करीब 8 बजे पति-पत्नी में फिर झगड़ा हो गया। उसी दौरान गुस्साए सलीम ने अपनी पत्नी के ऊपर हमला कर ब्लेड से गर्दन काटकर घायल कर दिया। बाद में उसी ब्लेड से उसने अपना भी गला काट लिया।

विधवा चाची का भतीजे पर आया दिल, परिजनों के विरोध पर दोनों ने ट्रेन से कटकर दे दी जान

गोंडा. गोंडा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक महिला और उसके भतीजे ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि इटियाथोक क्षेत्र की रहने वाली 32 साल की विधवा पुष्पा देवी अपने दो बच्चों के साथ ससुराल में रहती थी। इसी दौरान उसका अपने 22 साल के भतीजे रवींद्र कुमार से प्रेम-प्रसंग हो गया। इसका पता लगने पर परिजनों ने विरोध किया, क्योंकि वे रवींद्र की शादी किसी दूसरी जगह करना चाहते थे। चाची और भतीजे ने गोंडा बढ़नी रेलवे प्रखंड पर कठौवा रेलवे क्रासिंग के पास रविवार को ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी।

यूपी में पंचायत का अजीबोगरीब फरमान

प्रतापगढ़. प्रतापगढ़ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक गांव के युवक से प्रेम संबंध पर स्वजातीय पंचायत ने महिला के फैसला न मानने पर तुगलकी फरमान सुना दिया। पंचायत में शामिल महिलाओं ने महिला के बाल काटने के साथ ही उसके चेहरे पर कालिख पोत दी, इसके बाद जूते की माला पहना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बीच बचाव का प्रयास किया तो सभी पुलिस से भिड़ गए। एसओ सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने 50 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर 15 को हिरासत में लिया है। हथिगवां थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति की पत्नी गांव के ही युवक से फोन पर बात कर रही थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध को लेकर पति से विवाद होने लगा। इससे महिला के ससुरालवाले, रिश्तेदार और ग्रामीणों के बीच समझौते के लिए रविवार को पंचायत बुलाई गई। पंचायत के दौरान महिला अपने प्रेमी के साथ रहने की जिद करने लगी। इस दौरान वहां लोगों ने महिला के बाल काटने और उसके मुंह पर कालिख पोतने का फरमान सुना दिया।

बिहार में बढ़े हुए आरक्षण पर लगी रहेगी रोक

- सुप्रीम कोर्ट का स्टे हटाने से इनकार
- नीतीश सरकार को झटका

नई दिल्ली. बिहार में जातिगत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 फीसदी किए जाने के सरकार के फैसले पर लगी रोक को हटाने से सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इनकार कर दिया है। नीतीश कुमार सरकार के इस फैसले पर पटना हाई कोर्ट ने रोक लगाई थी, जिसके खिलाफ राज्य ने शीर्ष अदालत का रुख किया था। अदालत ने बिहार सरकार की अर्जी पर सुनवाई को लेकर सहमति जरूर जताई है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा, 'हम नोटिस जारी कर रहे हैं। इस मामले पर हम सितंबर में सुनवाई करेंगे। तब तक कोई अंतरिम राहत नहीं रहेगी।' बिहार सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पक्ष रख रहे थे।

उन्होंने शीर्ष अदालत में कहा कि इस मामले पर तत्काल कोई फैसला लिया जाए। ऐसा इसलिए

क्योंकि सितंबर में बढ़ाए गए आरक्षण के तहत बहुत सी नौकरियां निकली थीं और उनमें इंटरव्यू की प्रक्रिया चल रही है। मेहता ने कहा, 'इस कानून के आधार पर हजारों अभ्यर्थियों के इंटरव्यू चल रहे हैं।' इस दौरान सरकार का ही पक्ष रख रहे एक अन्य वकील ने छत्तीसगढ़ का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने भी जातिगत आरक्षण की सीमा 50 फीसदी की थी। उस पर राज्य के उच्च न्यायालय ने रोक लगाई थी, लेकिन फिर सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले पर स्टे लगा दिया था।

उनकी इस दलील से बेंच में शामिल जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा सहमत नहीं दिखे। बेंच ने कहा कि हम कोई स्टे नहीं देंगे। उच्च न्यायालय पहले ही कह चुका है कि राज्य की नौकरियों में 68 फीसदी लोगों को आरक्षण मिलता है। बता दें कि नीतीश सरकार ने हाई कोर्ट की ओर से लगी रोक को शीर्ष अदालत में यह कहते हुए चुनौती दी थी कि हमने जो सर्वे कराया था, उसके आधार पर ही आरक्षण बढ़ाया गया है। यह सर्वे बताता है कि कौन सा समाज कितना पिछड़ा है और किसे नीतिगत सहयोग की जरूरत है। गौरतलब है कि 1992 के इंदिरा साहनी केस में सुप्रीम कोर्ट ने 50 फीसदी जातिगत आरक्षण की लिमिट तय की थी। ऐसे मामले में अकसर उसी की दलील दी जाती है।

मीडिया वालों को आपने पिंजरे में बंद कर दिया है, उन्हें निकाल दीजिए सर

- स्पीकर से फिर भिड़े राहुल

नई दिल्ली. लोकसभा में आज (सोमवार को) बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इस समय देश में डर का माहौल है और हर कोई डरा हुआ है। उन्होंने किसानों और पेपर लीक मुद्दे के अलावा 'देश में फैले डर', बजट और टैक्स से जुड़े मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरा। उन्होंने अभिमन्यू का जिक्र कर आज के सियासी चक्रव्यूह पर बात की और कहा कि आज के दौर में पद्मव्यूह की रचना की गई है और प्रधानमंत्री जी उसी व्यूह के तहत किसानों, युवाओं, महिलाओं को

डरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाभारत के चक्रव्यूह में छह लोगों ने अभिमन्यू को घेर कर मारा था, उसी तरह आज पद्मव्यूह में छह लोग शामिल हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि इन छह लोगों में प्रधानमंत्री मोदी जी, अमित शाह जी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी, अजित डोवाल जी और अदानी अंबानी शामिल हैं। इस पर सदन में हंगामा होने लगा और स्पीकर ओम बिरला ने सदन की मर्यादा की दुहाई देते हुए राहुल गांधी को नसीहत दी कि उन लोगों का नाम सदन में न लें जो सदन के सदस्य नहीं हैं। राहुल गांधी अपने भाषण के दौरान कई बार लोकसभा स्पीकर से भिड़े। स्पीकर बार-बार उन्हें बजट पर बोलने के लिए कहते रहे लेकिन राहुल गांधी किसानों से लेकर अग्निवीर तक की बात उठाते रहे।

राहुल गांधी ने दावा किया, ''21वीं सदी में एक और चक्रव्यूह तैयार किया गया है... जो अभिमन्यु के साथ हुआ, वही हिंदुस्तान के साथ किया जा रहा है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''अभिमन्यु को चक्रव्यूह में छह लोगों ने घेर कर मारा था। आज भी चक्रव्यूह रचने वाले छह लोग हैं।'' उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाया गया था उसी तरह हिंदुस्तान को फंसा दिया गया है।

BJP सांसद रवि किशन ने पेश किया विधेयक

भोजपुरी को मिले आधिकारिक दर्जा

नई दिल्ली. भोजपुरी सुपरस्टार और BJP के सांसद रवि किशन ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए लोकसभा में एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया है ताकि इसे आधिकारिक भाषा का दर्जा दिया जा सके। रवि किशन ने शुक्रवार को संविधान (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया और कहा कि वह इस बात को रेखांकित करना चाहते हैं कि भोजपुरी भाषा बकवास गीतों के बारे में नहीं है, बल्कि इसका एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास और साहित्य है जिसे बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से भाजपा सांसद ने

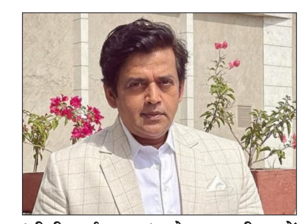

'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, 'इतने सारे लोग इस भाषा को बोलते और समझते हैं। यह हमारी मातृभाषा है। मैं इस भाषा को बढ़ावा देना चाहता हूं क्योंकि इस भाषा में फिल्म उद्योग भी चलाया जा रहा है और लाखों रोजगार मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक भोजपुरी साहित्य को बढ़ावा देने के बारे में है जो बहुत समृद्ध है।

मेधा पाटकर की 5 महीने जेल की सजा पर रोक

- साकेत कोर्ट से जमानत मिली
- 23 साल पुराने मानहानि केस में LG से जवाब मांगा

नई दिल्ली. दिल्ली की साकेत कोर्ट ने सोशल वर्कर और नर्मदा बचाओ आंदोलन की प्रमुख मेधा पाटकर की 5 महीने की जेल की सजा पर रोक लगा दी है। साथ ही मानहानि केस में दिल्ली LG वीके सक्सेना को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

मेधा ने 1 जुलाई के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। जिसमें मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट राघव शर्मा ने उन्हें मानहानि का दोषी पाया था। साथ ही मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपए का LG सक्सेना को भुगतान करने का निर्देश दिया था। साकेत कोर्ट ने सोमवार (29 जुलाई) को 25 हजार बेल बांड पर मेधा पाटकर को जमानत भी दे दी है।मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को होगी। 25 नवंबर 2000 को मेधा पाटकर ने अंग्रेजी में एक बयान जारी कर वीके सक्सेना पर हवाला के जरिए लेनदेन का आरोप लगाया था और उन्हें कायर कहा था। मेधा पाटकर ने कहा था कि वीके सक्सेना गुजरात के लोगों और उनके संसाधनों को विदेशी हितों के लिए गिरवी रख रहे थे। ये बयान वीके सक्सेना की ईमानदारी पर सीधा-सीधा हमला था। मेधा ने कहा था- सक्सेना ने शारीरिक हमला भी किया था

मेधा पाटकर ने कोर्ट में अपने बचाव में कहा था कि वीके सक्सेना 2000 से झूठे और मानहानि वाले बयान जारी करते रहे हैं। उन्होंने 2002 में उन पर शारीरिक हमला भी किया था, जिसके बाद मेधा ने अहमदाबाद में FIR दर्ज कराई थी।

बिहार में लगातार गिरते पुलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

- सरकार से मांगा जवाब
- ताश के पत्तों की तरह गिर रहे हैं पुल

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर बिहार सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार से हाल ही के महीनों में नियमित अंतराल पर 10 पुलों के ढ़हने के बाद राज्य के सभी पुलों की इन्फ्रास्ट्रक्चरल ऑडिट की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने बिहार में लगातार गिरते पुलों की जांच कराने के लिए जनहित याचिका दाखिल की थी, जिस पर सोमवार को सुनवाई हुई।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने वकील ब्रजेश सिंह द्वारा दायर की गई जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बिहार सरकार को नोटिस जारी किया। इस नोटिस को अनुसार बिहार सरकार को इन्फ्रास्ट्रक्चरल ऑडिट करने और पुलों की पहचान करने के लिए एक एक्सपर्ट समिति गठित करने की मांग की गई है। इस समिति द्वारा

निकाले गए ऑडिट निष्कर्षों के आधार पर यह तय किया जाएगा कि पुल की मरम्मत की जा सकती है या फिर उन्हें तोड़ कर दोबारा बनाया जाना चाहिए।

वकील ब्रजेश सिंह ने यह याचिका पिछले महिने दायर की थी। अपनी इस याचिका में सिंह ने भारी बारिश के बाद 16 दिनों के भीरत 10 पुलों के ढहने पर चिंता जताई थी। सिंह ने लिखा था कि 10 दिनों के अंदर ही सीवान,सारण,मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में पल ढह गए। आखिरी घटना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा सड़क निर्माण और ग्रामीण कार्य विभागों को राज्य के पुराने पुलों का आकलन करने और तत्काल मरम्मत की आवश्यकता वाले पुलों की पहचान करने के निर्देश देने के ठीक एक दिन बाद हुई। जनहित याचिका में राज्य में मानसून के दौरान आई बाढ़ और भारी बारिश के बाद पुलों की सुरक्षा और टिकाऊपन पर सवाल उठाया गया है।

लगातार गिरते पुलों के बाद बिहार में बढ़ हुए भ्रष्टाचार की बात सार्वजनिक हो गई है। बिहार में लगातार नीतीश कुमार की सरकार है ऐसे में जनता उन्हें ही इन हादसों के लिए जिम्मेदार मान रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन गिरते हुए पुलों की जांच कराने को लेकर जनता को भरोसा देने की कोशिश की है।

सिसोदिया की जमानत पर सुनवाई 5 अगस्त तक टली

- ED ने सुप्रीम कोर्ट से जवाब दाखिल करने समय मांगा

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट मनीष सिसोदिया की जमानत से जुड़ी याचिकाओं पर अब 5 अगस्त को सुनवाई करेगा। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान ED ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए

समय मांगा। जिसके बाद जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने सुनवाई स्थगित कर दी।

ED की तरफ से ASG ने सिसोदिया की याचिकाओं पर सुनवाई होने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 4 जून के आदेश ने सिसोदिया को केवल ट्रायल कोर्ट में नई जमानत याचिका दायर करने का अधिकार दिया गया है, न कि सुप्रीम कोर्ट में।

सिसोदिया को पिछले साल 26 फरवरी को CBI ने और 9 मार्च को ED ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने 28 फरवरी 2023 को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दिया था। वे फिलहाल तिहाड़ जेल में हैं। ED केस में 3 जुलाई को दिल्ली की एक अदालत ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी। CBI केस में सिसोदिया 31 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं।

आम सूचना

हम श्री रमेशकुमार देवीसिंह राजपुरोहित व श्रीमती विमला रमेशकुमार राजपुरोहित सभी को सूचित कर रहे हैं कि घर, ग्राऊंड व पहला माला, हनुमान मंदिर, लालचक्की रोड, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 40सीओ008999300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती मानिकबाई सारंगधार वानखेडे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 2.7.2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री रमेशकुमार देवीसिंह राजपुरोहित
व श्रीमती विमला रमेशकुमार राजपुरोहित

आम सूचना

मैं श्री विलास दत्ताराम पाठाडे सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, गुरुकृपा कालोनी, गजानंद नगर, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 41सीआय009388900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती अंकिता अप्पा पाठाडे, मिस लावण्या अप्पा पाठाडे, मास्टर आर्यन अप्पा पाठाडे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 25.7.2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विलास दत्ताराम पाठाडे

श्रीलंका ने भारत को हराकर रचा इतिहास

- पहली बार जीता वीमेंस एशिया कप का खिताब

श्रीलंका ने महिला एशिया कप 2024 के फाइनल में भारत को 8 विकेट से हरा दिया है. भारत आठवीं बार एशिया कप जीतने से चूक गया है और यह इतिहास में केवल दूसरा मौका है जब टीम इंडिया को महिला एशिया कप के फाइनल में हार मिली है. भारत ने इस मैच में पहले खेलते हुए 165 रन बनाए थे, वहीं जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 8 गेंद शेष रहते 8 विकेट से जीत दर्ज कर पहली बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है. श्रीलंका के लिए कप्तान चमारी अटापट्टू और हर्षिता समाराविक्रमा ने अर्धशतकीय पारियां खेलते हुए श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत में बड़ा योगदान दिया. भारत के लिए दीप्ति शर्मा विकेट लेने वाली एकमात्र गेंदबाज रहीं.

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया था. भारत के लिए सबसे ज्यादा रन सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने बनाए, जिन्होंने 47 गेंद में 60 रनों का योगदान दिया. हालांकि कप्तान हरमनप्रीत कौर कुछ खास कमाल नहीं कर पाईं, जिनके बल्ले से केवल 11 रन बनाए. मगर आखिरी 6 ओवरों में जेमिमा रोड्रीगेज और रिचा घोष ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करके टीम का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया. रोड्रीगेज ने 16 गेंद में 29 और रिचा घोष ने 14 गेंद में 40 रन की कैमियो पारी खेलकर भारत का स्कोर 165 तक पहुंचाया.

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत काफी खराब रही क्योंकि विश्मी गुणारत्ने महज एक रन बनाकर आउट हो गईं. मगर उसके बाद कप्तान चमारी अटापट्टू और हर्षिता समाराविक्रमा के बीच 87 रन की बेहतरीन साझेदारी हुई, लेकिन अटापट्टू को दीप्ति शर्मा ने 61 रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया.

हिमाचल में बादल फटा

नई दिल्ली. हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में रविवार देर रात तेज बारिश हुई। इसके बाद कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुईं। चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे-5 पर पहाड़ दरकने से 1 शख्स की मौत हो गई। वहीं, 3 लोग घायल हो गए।

राज्य में अलग-अलग जगह लैंडस्लाइड के कारण फिलहाल 80 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। इसके अलावा किन्नौर जिले में बादल भी फटा है। इससे इलाके में तेज बारिश हो रही है। लोगों के घरों में पानी घुस आया है।

उधर उत्तर प्रदेश के ललितपुर में बारिश से बाढ़ जैसे हालत हैं। राजघाट बांध के 8 और माताटीला बांध के 20 गेट खोले गए हैं। इसके चलते बेतवा नदी उफान पर आ गई। नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश में भी तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में अब तक सामान्य से 7% ज्यादा बारिश हो चुकी है। यहां नर्मदा नदी उफान पर हैं। कोलार, बरगी, सतपुड़ा समेत कई डैम के गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने 29 जुलाई को 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

समाजसेवी भागवत पांडेय का निधन

मुंबई. समाजसेवी भागवत पांडेय का गत दिवस आकस्मिक निधन हो गया. उनका अंतिम संस्कार चंडीगढ़ में किया गया, लेकिन अन्य कार्य उनके पैतृक स्थान प्रतापगढ़ के अन्तू के समीप स्थित ग्रामसभा जलालपुर में किया जाएगा.

नवभारत के वरिष्ठ पत्रकार राकेश पांडेय ने बताया कि भागवत पांडेय लुधियाना में एक मिल में कार्यरत थे. गत दिवस बीमार होने पर उन्हें लुधियाना में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत अधिक खराब होने के बाद उन्हें चंडीगढ़ के पीजीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों ने भरसक प्रयास किया, लेकिन उन्हें बचा नहीं पाये. भागवत पांडेय के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए पूर्व विधायक बृजेश मिश्र सौरभ ने कहा कि पांडेय लुधियाना के साथ ही गांव आने पर समाजसेवा में जुटे रहते थे. इनके निधन पर परिवार को बहुत बड़ी क्षति पहुंची है. इसी तरह से पूर्व सांसद संगम लाल गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश मिश्र, पूर्व जिला परिषद सदस्य महेश मिश्र, प्रोफेसर डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. शिवम तिवारी एवं शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया है.

आम सूचना

हम श्रीमती गोपी मेथाराम कल्याणी व मिस पिंकी मेथाराम कल्याणी सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम नं. 7, बैरक नं. 2044, सेक्शन 36, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 56डीआय018620300) उक्त प्रॉपर्टी श्री नरेश घनश्यामदास फुलवानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 18.4.2024 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती गोपी मेथाराम कल्याणी
व मिस पिंकी मेथाराम कल्याणी

आम सूचना

मैं श्रीमती गुरमीतकौर हरभजनसिंग जेथरा सभी को सूचित कर रही हूं कि शॉप, ब्लॉक नं. ए-188 के पास, रुम नं. 376, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 50डीओ022049600) उक्त प्रॉपर्टी श्री चंरणदीपसिंग हरभजनसिंग जेथरा के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 28.7.2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती गुरमीतकौर हरभजनसिंग जेथरा

आम सूचना

मैं श्री चंदर गोदूमल साधवानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, ब्लॉक नं. 617 के पास, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 53डीआय011440900) उक्त प्रॉपर्टी श्री गोदूमल टेकचंद साधवानी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 27.7.2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री चंदर गोदूमल साधवानी

आम सूचना

मैं श्री किशोर चंद्रकांत उपरकर सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, संतोष नगर, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 44सीओ010203200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती रेखा भिकाजी झोंटिंग के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 8.12.2023 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री किशोर चंद्रकांत उपरकर

आम सूचना

मैं श्री मनीष प्रकाश कोटई सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, आकाश कालोनी, बैरक नं. 2077 के सामने, सेक्शन 36, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 55डीओ008377500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती जया प्रकाश कोटई के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 26.7.2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनीष प्रकाश कोटई

आम सूचना

मैं श्रीमती रुपाली रविकांत पाटील सभी को सूचित कर रही हूं कि 4 रुम, ओपन प्लॉट, ब्लॉक नं. ए-574 के सामने, कृष्णा नगर, सेक्शन 25, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 48सीओ010515700) उक्त प्रॉपर्टी श्री बापू लोटन पाटील के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 21.7.2024 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती रुपाली रविकांत पाटील

संक्षेप...

ऑटो चालक से बहस के दौरान शिवसेना UBT नेता के बेटे को आया हार्ट अटैक... मौत

वसई. वसई में शिवसेना (उबाठा) की ठाणे इकाई के एक नेता के 45 वर्षीय बेटे की पालघर जिले के वसई में हार्ट अटैक से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शिवसेना नेता के बेटे की एक ऑटो रिक्शा चालक के साथ बहस हो गई और वह बेहोश हो गए। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

शिवसेना (यूबीटी) की ठाणे इकाई के पूर्व प्रमुख रघुनाथ मोरे के बेटे मिलिंद मोरे अपने परिवार के साथ नवापुर स्थित एक रिजॉर्ट में छुट्टियां मना रहे थे। रिजॉर्ट से बाहर निकलते समय मिलिंद का एक ऑटो रिक्शा चालक से झगड़ा हो गया, जिस दौरान वह बेहोश हो गए और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया।

शिंदे राज में भी विकास से कोसों दूर भिवंडी

भिवंडी. देश में पावरलूम नगरी के नाम से मशहूर भिवंडी जरूरी नागरिक मूलभूत सुविधाओं सहित विकास से कोसों दूर है. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह आवास से करीब 15 किमी दूर भिवंडी शहर की बदहाल दशा को सुधारने की खातिर शासन, प्रशासन कोई कदम नहीं उठा रहा है. अनुभवी, कर्मठ मुख्यमंत्री शिंदे के कार्यकाल में भी भिवंडी शहर में जन समस्याओं का समाधान नहीं होने से नागरिकों को हो रही तकलीफ एवम विकास कार्य नहीं होने से शहरवासियों में शिंदे सरकार के प्रति भारी नाराजगी फैल रही है.

विकास परियोजनाएं भी पड़ी ठप्प

मेट्रो 5 परियोजना का कार्य धामनकर नाका तक आने के बाद आगे नहीं बढ़ने से लोगों में भिवंडी मेट्रो प्रकल्प कल्याण तक पूर्ण होने में संशय व्याप्त है. सीएम शिंदे द्वारा यातायात समस्या निराकरण हेतु चाविंद्रा से अंजूरफाटा तक 5 वर्ष पूर्व घोषित रिंग रोड परियोजना ठंडे बस्ते में बंद पड़ी है जिस पर शासन का कोई ध्यान नहीं है.लोगों का आरोप है कि, केंद्र एवम राज्य सरकार भिवंडी के विकास के लिए जरूरी फंड देने में अन्याय कर रही है.

गौरतलब हो कि, भिवंडी मनपा 2002 में अस्तित्व में आई थी. मनपा अस्तित्व में आने के करीब 22 वर्षों के उपरांत भी शहर के नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं.मनपा टैक्स अदायगी के बाद भी शहर के नागरिकों का जीवन नारकीय बन गया है.भिवंडी शहर में बदहाल सड़कें,चहुओर गंदगी का साम्राज्य,अच्छी स्कूली शिक्षा, बीमार स्वास्थ्य सुविधा, ट्रैफिक जाम आदि समस्याओं से नागरिकों को भारी तकलीफ झेलनी पड़ रही है.बारिश के दौरान हुई सड़कों की बदहाली और गड्ढों,निचले एरिया में हो रहे जलजमाव के कारण नागरिकों को दुगनी परेशानी झेलनी पड़ रही है.नालों, गटरों का निर्माण बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए पूर्व नियोजित तरीके से अंजाम नहीं देने से मूसलाधार बारिश का पानी शहर को जलाशय बना रहा है.नालों,गटरों की ठीक से सफाई नहीं होने से भी पानी कम बारिश में भी पानी सड़कों पर बहता है.

शहर छोड़ने को विवश भिवंडीकर

खराब सड़कें,गंदगी एवम ट्रैफिक जाम से भयंकर परेशानी झेल रहे अधिसंख्यक व्यापारी, धनाढ्य लोग मूलभूत सुविधा के अभाव में अब शहर छोड़ने पर विवश हैं.भिवंडी के लोग अब कल्याण, ठाणे,मीरा भाइंदर, बोरीवली,कांदीवली आदि शहरों में आशियाना तलाश रहे हैं. भिवंडी शहर में बिल्डरों द्वारा बहुमंजिला टावर निर्माण किए जा रहे हैं जिसके लिए मनपा को लाखों रुपए का डेवलपमेंट शुल्क भी मिलता है बावजूद रहिवासी क्षेत्र भी सुविधा से वंचित हैं.महाराष्ट्र के विकास पुरुष कहे जाने वाले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा भी भिवंडी शहर की बदहाली पर गंभीरता से ध्यान नहीं देने से शहरवासियों में भारी नाराजगी फैल रही है.

मुख्यमंत्री शिंदे सरकार में पावरलूम नगरी का विकास रुका पड़ा है.मनपा के पास जरूरी कार्य हेतु भी फंड नही होने से शहर की दशा बदहाल है.खराब सड़कें, चहुंओर गंदगी,ट्रैफिक जाम सहित तमाम मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होने से लोग दुख भोग रहे हैं. भिवंडी की बढ़ती आबादी के हिसाब से शासन,प्रशासन को जरूरी विकास योजनाओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए.

-मु.तारिक फारूकी, कांग्रेस प्रदेश महासचिव

अक्षम,भ्रष्ट अधिकारियों की वजह से विकास कार्य तो छोड़िए जरूरी मूलभूत समस्याओं का निदान भी कोसों दूर है.शहर के सर्वांगीण विकास के लिए मनपा में आईएएस कमिश्नर की तैनाती करनी चाहिए.

-अशोक पाटिल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता भिवंडी..

RSS स्वयंसेवक की तलवार से हत्या

मुंबई. मुंबई में अरविन्द वैश्य नाम के एक युवक की हत्या कर दी गई है। हत्या का आरोप अल्लू, आरिफ और शेर अली व उसके कुछ अन्य साथियों पर लगा है। आरोप है कि इन तीनों ने अरविन्द को पुलिस के आगे ही मार डाला है। मृतक RSS (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) से जुड़ा बताया जा रहा है।

घटना रविवार (28 जुलाई, 2024) की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना मुंबई के धारावी इलाके की है। शिकायत के मुताबिक, घटना रविवार शाम सवा 7 बजे के आसपास की है। तब अल्लू, आरिफ, शुभम और शेर अली का सिद्धेश नाम के व्यक्ति से किसी बात को ले कर झगड़ा हो रहा था। इन अल्लू और उसके साथी सिद्धेश और उसके पिता को पीटने लगे। इसी झगड़े में बीच-बचाव करने अरविन्द भी पहुँच गया। आरोप है कि अल्लू और उसके साथियों ने अरविन्द की भी पिटाई कर दी।

ठाणे शहर दैनिक पत्रकार संघ की ओर से

10वीं-12वीं की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान

ठाणे. मनपा मुख्यालय स्थित स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल सभागृह में 10 वीं व 12 वीं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान हर साल संघ की ओर से किया जाता है। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित नवनिर्वाचित सांसद नरेश म्हस्के ने विद्यार्थियों से कहा कि कैरियर बनाने के लिए शौक करो लेकिन शिक्षा के साथ खिलवाड़ मत करो। सांसद म्हस्के ने पत्रकार कक्ष को अत्याधुनिक तकनीक से बनाने के लिए कहा।

सांसद नरेश म्हस्के व मनपा आयुक्त सौरभ राव ने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया और स्क्रीनटाइमिंग से दूरी बनाये रखने के लिए संदेश दिया।संघ का यह कार्यक्रम कोरोना काल से बंद कार्यक्रम को संघ के अध्यक्ष आनंद कांबले ने फिर से शुरुआत हुआ।दसवीं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में तनिष्का वाजपेयी, प्रांजली मोरे, ऋग्वेद घरत, उमैमा अन्सारी, सिद्धार्थ पांडे व बारहवीं के अथर्व गुंडे, कीर्ती कनोजिया, पद्मजा शिंदे, दुर्वा आचार्य, रिथिक्षा शेट्टी आदि विद्यार्थियों का सत्कार सांसद नरेश म्हस्के, आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त संदिप मालवी के हाथों से सन्मान चिन्ह, कैश, पुस्तक व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संपादक मिलिंद बल्लाल, अध्यक्ष आनंद कांबले, कार्यकारी विकास काटे,कोषाध्यक्ष विभव बिरवटकर, महासचिव निलेश पानमंद, सचिव गणेश थोरात, सदस्य अनुपमा गुंडे, अमर राजभर, सचिन देशमाने, अशोक गुप्ता, प्रफुल गांगुर्डे, पंकज रोडेकर सहित बड़ी संख्या में सदस्यों की उपस्थिति रही।इस कार्यक्रम का सूत्र संचालन पत्रकार मनोज वाजपेयी ने किया।

ठामपा की ओर से आयोजित इकोफ्रेंडली गणेशमूर्ती के प्रदर्शनी मिला अच्छा प्रतिसाद

ठाणे. मनपा पर्यावरण संरक्षण को लेकर गणेशोत्सव पर्व मनाने के लिए शहर स्थित नौपाडा परिसर में विष्णु नगर के स्कूल क्रमांक 19 में इकोफ्रेंडली गणेश मूर्ति व सजावटी सामानों की प्रदर्शनी को नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है यह 4 अगस्त तक शुरू रहेगी।इस प्रदर्शनी का उद्घाटन सांसद नरेश म्हस्के के हाथों व विधायक संजय केलकर के उपस्थिति में किया गया।इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त 1 संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, उपआयुक्त अनघा कदम, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनिषा प्रधान,सहायक आयुक्त सोपान भाईक,ठाणे शहर भाजपा अध्यक्ष संजय बाघुले सहित पर्यावरण कार्यकर्ता व प्रदुषण नियंत्रण विभाग के कर्मचारी, पर्यावरणप्रेमी नागरिक उपस्थित थे।इस प्रदर्शनी में शाडू मिट्टी, लाल मिट्टी, कार्डबोर्ड, पेपर तैयार इकोफ्रेंडली गणेश मूर्ति व सजावटी सामान आकर्षण का केंद्र रहा। मखर,कपड़े का मंडप झालर, फायबर से तैयार चलचित्र का 25 स्टाल लगा हुआ है।इस प्रदर्शनी में नागरिक भाग लेकर सामानों की खरीदारी कर इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मनपा ने आवाहन किया है।

इंटरकास्ट मैरिज का खौफनाक अंजाम

लड़की के पिता व भाई ने की हत्या

औरंगाबाद. छत्रपति संभाजीनगर ऑनर किलिंग की घटना से सहम गया है. अंतरजातीय विवाह करने पर लड़की के पिता और भाई ने युवक की हत्या कर दी है. इस घटना से जिले में सनसनी फैल गयी है. युवती जिससे प्यार करती थी उससे शादी करके खुश थी. लेकिन ये ख़ुशी एक महीने भी नहीं टिक पाई. युवक के भाई और पिता ने युवक की हत्या कर दी. मारे गए 22 वर्षीय युवक का नाम

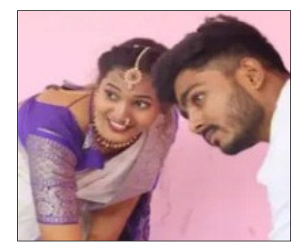

अमित सालुंखे है.

अमित ने अपनी बचपन की दोस्त के साथ भागकर शादी कर ली थी. लेकिन लड़की के पिता और भाई ने 14 जुलाई को अमित पर चाकू और तलवार से हमला कर दिया. इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई.विद्या कीर्तिशाही ने अमित सालुंखे नाम के एक दूसरे जाति के 22 वर्षीय लड़के से भागकर शादी की. जैसे ही लड़के के परिवार ने इस अंतरजातीय विवाह को स्वीकार कर लिया, वह वापस छत्रपति संभाजीनगर के इंदिरा नगर में रहने लगा. लेकिन लड़की के परिवार वालों को ये शादी मंजूर नहीं थी. एक दिन अमित PUBG खेल रहा था जब उसके दोस्तों ने उसे बुलाया. बाहर आने के बाद विद्या के चचेरे भाइयों ने अमित पर चाकू और तलवार से हमला कर दिया और अमित की मौत हो गई. पबजी खेलते समय उसकी मौत हो गई. जब उन पर हमला हुआ तो उनकी चीखें उनके मोबाइल फोन में रिकॉर्ड हो गई हैं. अमित की आवाज का एक वीडियो सामने आया है. विद्या और अमित दोनों इंदिरानगर में पले-बढ़े. बचपन की इन दोस्तों को एक-दूसरे से प्यार हो गया और दोनों ने भागकर पुणे में शादी कर ली. अमित के परिवार के सहयोग से वह वापस लौटे. 13 जून को उनकी शादी हुई और शादी के एक महीने बाद 14 जुलाई को अमित पर भर चौक पर हमला हुआ. इस घटना में गंभीर रूप से घायल अमित की इलाज के दौरान मौत हो गई.

सामाजिक न्याय विभाग निधि का विकेंद्रीकरण नहीं होने देंगे

रिपाई एकतावादी ने दिया आंदोलन का इशारा

ठाणे. राज्य सरकारने सामाजिक न्याय विभाग निधी का तीर्थयात्रा के उपयोग के लिए निर्णय लिया है।साथ ही पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के विदेशी छात्रवृत्ति में भी कटौती किया गया है।इसके विरोध में रिपाई एकतावादी ने बिगुल बजा दिया है।यदि इस निधी में काटौती करने के निर्णय को सरकार ने पीछे नहीं लिया तो राज्य भर में आंदोलन करने के लिए इशारा किया है।रविवार को रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया व एकतावादी पार्टी का राज्यस्तरीय बैठक नानासाहेब इंदिसे के नेतृत्व में शास्त्री नगर में आयोजित किया गया। राज्य में कई जगहों पर बौद्ध, मातंग, चर्मकार समाज पर अत्याचार बढ़ता जा रहा है इसके विरोध में भी जन आंदोलन करने के लिए ठराव पास किया गया।इस बैठक में नानासाहेब इंदिसे ने कहा कि विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाने वाले दलित विद्यार्थियों के निधी में भी 50 प्रतिशत की काटौती सरकार ने किया है। साथ ही सामाजिक न्याय विभाग के निधी को दलित समाज के विकास पर खर्च करने के अलावा अलग जगह पर उपयोग किया जा रहा है यह गलत है। इस विषय को लेकर हमलोग मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात करेंगे।उन्होंने कहा कि मुलाकात के बाद भी निधी का दुरुपयोग किया गया तो हमलोग राज्य भर में आंदोलन करने के लिए इशारा किया।इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विकास निकम,कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्रकुमार इंदिसे, राष्ट्रीय युवाध्यक्ष भय्यासाहेब इंदिसे , राष्ट्रीय महासचिव प्रल्हाद सोनावणे सहित राज्य भर से जिला अध्यक्ष पदाधिकारी व कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे।

जिलें के 8 तालाबों को मिली कीचड़ से मुक्ति

22,050 क्यूबिक मीटर कीचड़ निकालने में मिली सफलता

ठाणे१. जिलें में पानी का स्तर बढ़ाने की दृष्टि से तालाबों को कीचड़ से मुक्त करने के लिए इस योजना को पिछले साल तैयार किया गया है।जिला परिषद के लघु सिंचाई विभाग के माध्यम से चल रहा है।साल 2024 व 2025 में मुरबाड, शहापूर, अंबरनाथ, भिवंडी व कल्याण इन पांच तहसील के तालाबों का कीचड़ निकालने की योजना है।जिसमें पाजर तालाब सहित गांव के 50 तालाबों को कीचड़ से मुक्त नियोजन किया गया है।जून 2024 में जिलें के 8 तालाबों से 22 हजार 050 क्यूबिक मीटर कीचड़ निकालने का काम पूर्ण किया गया।इन 8 तालाबों में अब 2करोड़ 20 लाख 50 हजार लीटर पानी की अधिक क्षमता बढ़ी।इसके अलावा जिलें के 42 गांवों तालाबों के काम 2025 के अंततक पूर्ण किया जायेगा यह जानकारी लघु सिंचाई विभाग ने दिया।इस योजना के तहत मुरबाड़ तहसील में 5,कल्याण तहसील में 2,शहापुर तहसील में 1तालाबों से कीचड़ निकालने में सफलता मिली।पिछले साल जून 2023 में 16 तालाबों से 36 हजार क्यूबिक मीटर कीचड़ निकाला गया था।इन तालाबों में 3 करोड़ 60 लाख लीटर पानी की क्षमता बढ़ा है।यह जानकारी दिलीप जोकार कार्यकारी अभियंता ने दिया।

कजरी महोत्सव में अनिल गलगली का नागरिक अभिनंदन

मुंबई. स्वरसंगम फाउंडेशन व उत्तर भारतीय मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कजरी महोत्सव कार्यक्रम बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्य मंत्री व अभियान के सचिव अमरजीत मिश्र,पूर्व नगर सेवक महेन्द्र सिंह चौहान, सुप्रसिद्ध आरटीआई एक्टीविस्ट अनिल गलगली, कजरी गायक ब्रृजेश सिंह, महाराष्ट्र हिन्दी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष डॉ शीतला प्रसाद दुबे, वरिष्ठ साहित्यकार हृदयेश मयंक व हिन्दी भाषी समाज

के अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति नें आयोजन को गरिमा प्रदान किया।

इस अवसर पर भारी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। बड़ी संख्या में नगर उपनगर के कवि ,पत्रकार, अध्यापक व संगीत प्रेमियों नें कजरी गायन को खूब पसंद किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पूर्व नगर सेवक महेन्द्र सिंह चौहान व अनिल गलगली का नागरिक अभिनन्दन किया गया। संस्था नें अनिल गलगली का विरुंगला केन्द्र को वातानुकूलित कराने के प्रयास की सराहना की।

मीरा भायंदर महानगर नगरपालिका की लगातार 27 वर्षो तक नगर सेवक रहते हुए सेवा करने के लिए वरिष्ठ नगर सेवक महेन्द्र सिंह चौहान का नागरिक अभिनन्दन किया। दोनों संस्थाओं की ओर से धर्मेन्द्र प्रकाश चतुर्वेदी व डॉ हरिप्रसाद राय ने अतिथियों का स्वागत व उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अतिथियों का परिचय देवेंद्र पोरवाल करवाया।

विधानसभा चुनाव को लेकर ठाणे कांग्रेस की ब्लाक स्तरीय बैठक

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. महाराष्ट्र राज्य के आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर ठाणे शहर कांग्रेस कमिटी चुनावी रणनीति तैयार करने के लिए ब्लॉक स्तरीय बैठक ठाणे शहर अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण के नेतृत्व में बैठक किया गया।

ठाणे मनपा के ब्लॉक क्रमांक 1 व 2 के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ में महाराष्ट्र प्रदेश महासचिव चंद्रकांत पाटील व सहायक प्रभारी संतोष केणी के उपस्थिति में बैठक संपन्न हुआ।प्रदेश पदाधिकारी भालचंद्र महाडिक, निशिकांत कोली,पूर्व नगरसेविका शितल आहेर, रमेश इंदिसे,वरिष्ठ नेता राम भोसले, बाबा शिंदे, धर्मवीर मेहरोल, मागासवर्गीय सेल अध्यक्ष उमेश कांबले सहित ब्लॉक क्र. 1 के अध्यक्ष श्रीकांत गाडीलकर, ब्लॉक क्र. 2 के अध्यक्ष आनंद सांगले सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'बाथरूम वीडियो' लीक होने पर परेशान हो गईं थी उर्वशी

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि अपनी फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। उर्वशी हमेशा ही अपने ड्रेसिंग सेंस से फैंस को इंप्रेस करती रहती हैं। उर्वशी सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव रहती हैं। हाल ही में उनका एक 'बाथरूम वीडियो' लीक हुआ था, जिसने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी थी। इस वीडियो में एक्ट्रेस बाथरूम में कपड़े बदलती नजर आ रही थीं। इसके बाद उनका एक ऑडियो क्लिप भी खूब चर्चा में रहा। ऐसे में अब वीडियो वायरल होने के बाद उर्वशी ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

उर्वशी ने इंस्टाबॉलीवुड के दिए इंटरव्यू में 'बाथरूम वीडियो' लीक पर अपना रिएक्शन दिया है। उर्वशी से जब उनके इस वीडियो को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'जिस दिन वो क्लिप वायरल हुआ था उस दिन मैं काफी परेशान थी। बेशक वो मेरी पर्सनल लाइफ की नहीं थी, मेरी आने वाली फिल्म (घुसपैठिए) का हिस्सा है।' उर्वशी के इस जवाब से साफ है कि उनको उस क्लिप के वायरल होने का काफी बुरा लगा है।

क्या कभी पर्सनल क्लिप हुई लीक

इसके बाद जब उर्वशी से पूछा गया कि 'क्या उनकी पर्सनल क्लिप कभी लीक हुई है'? इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'नहीं, नहीं, मैं चाहती हूं कि किसी भी महिला को इस तरह से न गुजरना पड़े।'

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099